रचना-क्रम

मुक्तक

सृष्टि के आरंभ से 19
छोटा-सा दीपक 20
इस बिचारे सूर्य को देखो 21
पायल पगों की 22
मौन भले हों अधर 23
हम भी हैं भूखे 24
लोग जिस रास्ते पे 25
मन डबडबाया 26
गीत नहीं है भीख 27
कोई मुझको गाकर कहता 28
तुम मठाधीश 29
वह मन्दिर है 30
ये बताएँगे तुम्हें वे 31

गीत काव्य

दूर होती जा रही है कल्पना 35
पीर मेरी 37
लौटे जो विश्वास 39
गया स्वयं से हार आदमी 40
तू मेरी आँखों में 42
कुछ कहो तो सही 44
डूबने से बच गए तुम 45
अपनी-अपनी ओर न खींचो 46
ये दो आँसू 47

पवन सामने है 49
स्याह-स्याह रात ने कहा मुझे 51
पितृ वक्तव्य 52
दुख मन के दाएँ बाएँ हैं 53
कवि के प्रति 54
तुम इस तरह जीवन जियो 57
तनाव 59
जन सामान्य का युद्ध विरोधी गीत 61
रक्त गिरता है 63
बिक गए तुम तो 65
जब से मेरा कंठ खुला है 66
गीत नगर में आकर 67
यह वही व्यवस्था है 68
मन की मौलिकता 71
ढूँढते रहे सदा 72
निश्चय जो कर लिया 74
फिर नहीं वह याद आई 76
बोल नभ के देवता 77
नदी 79
टूटे हुए मन को 81
क्या आशा मल्लाहों से 82
अवसरवादी अँधियारे से कह दो 84
फिर धूल की पलके उठी 86
असंतुष्ट युवा 87
फिर भी तो चलना है 89
मुक्तिबोध के मुक्तावसान पर 90
आदान प्रदान 91
ज़िन्दगी एक पुस्तक 92
मुझे पहनकर 93
काश 94
वस्तुसत्य 95

49
51
52
53
54
57
59
61
63
65
66
67
8
1
2
4
5

हम लिखित संगीत हैं 96
गिद्ध राज्य-श्री 97
नियति 99
मेरी गलती है यही 101
व्यस्तता 103
श्रव्य न होना 105
सरकार के जनतंत्र में 106
दर्पण हैं हम 108
एक सफ़र मुझमें भी है 110
ज़िन्दगी की ट्रेन 111
आकांक्षा 112
हम 113
वक़्त और उम्र 114
घर 115
धन पशु 116
अतीत 117
तू ये जो दर्द को 118
ताक धिना धिन 119
जुहू स्मृति 120
पैसा 121
मेरा देश है ये 128

वीरेन्द्र मिश्र : जीवन परिचय 133